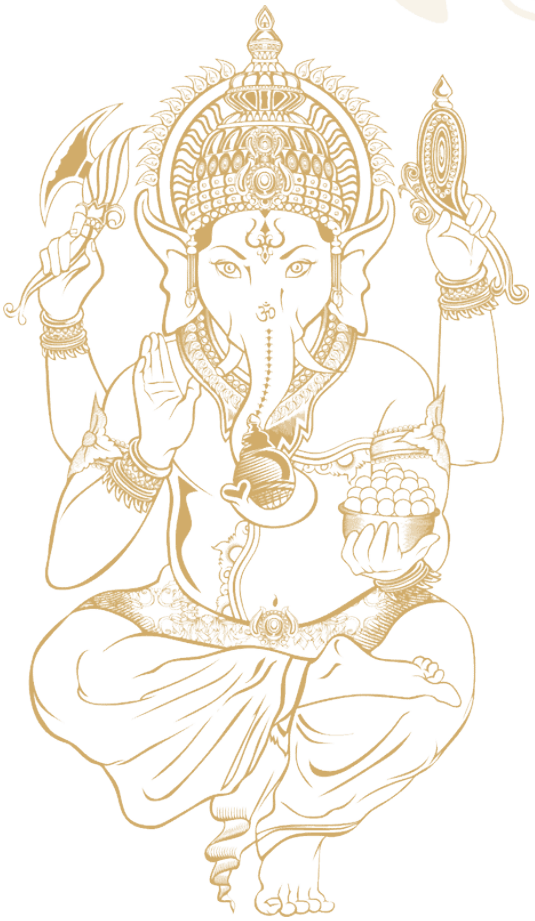

Anshu rai

21 Jun 2006

03:52 PM

Darjeeling

Model: web-freekundliweb

Order No: 121124405

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/06/2006**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**15:52:00 घंटे**
इष्ट	27:52:02 घटी
स्थान	**Darjeeling**
राज्य	West Bengal
देश	India

अक्षांश	27:02:00 उत्तर
रेखांश	88:20:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:23:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:15:20 घंटे
वेलान्तर	-00:01:41 घंटे
साम्पातिक काल	10:13:15 घंटे
सूर्योदय	04:43:11 घंटे
सूर्यास्त	18:33:32 घंटे
दिनमान	13:50:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	05:58:14 मिथुन
लग्न के अंश	01:30:34 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	अतिगण्ड
करण	बालव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लाखन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	01:30:34	309:27:33	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			मिथु	05:58:14	00:57:16	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	सम राशि
चंद्र			मेष	12:58:04	13:48:51	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
मंगल			कर्क	16:45:05	00:36:34	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	नीच राशि
बुध			कर्क	00:53:28	00:55:33	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
गुरु	व		तुला	15:21:52	00:02:40	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	02:58:50	01:11:07	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	स्वराशि
शनि			कर्क	15:09:33	00:06:33	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	06:08:32	00:04:15	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
केतु	व		कन्या	06:08:32	00:04:15	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	20:46:48	00:00:06	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
नेप	व		मक	25:38:16	00:00:54	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो	व		धनु	01:21:15	00:01:34	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			सिंह	07:20:01	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:51

लग्न-चलित

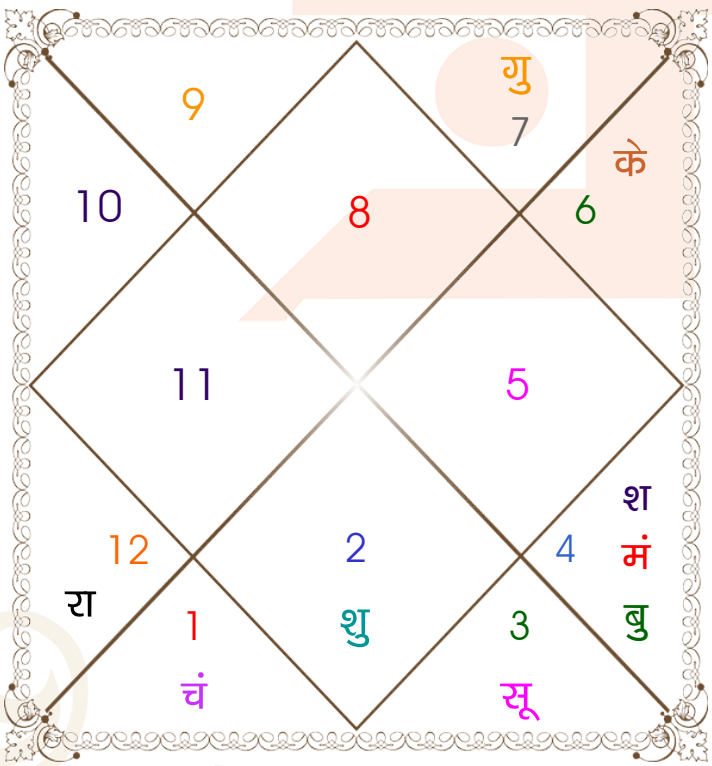

चन्द्र कुंडली

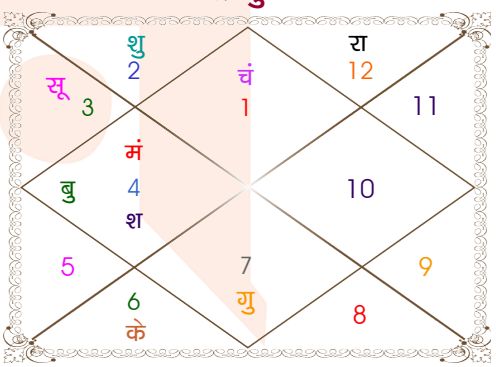

नवमांश कुंडली

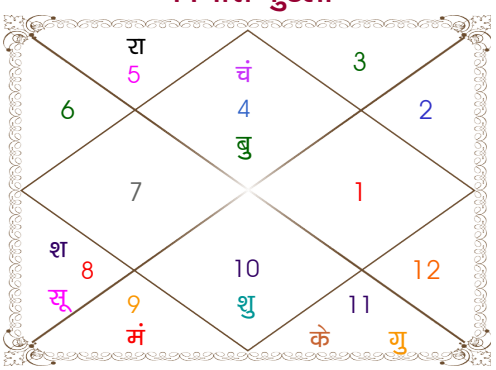

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 2 मास 9 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
21/06/2006		30/08/2006		30/08/2026		30/08/2032		30/08/2042	
30/08/2006		30/08/2026		30/08/2032		30/08/2042		30/08/2049	
	00/00/0000	शुक्र	30/12/2009	सूर्य	18/12/2026	चंद्र	30/06/2033	मंगल	26/01/2043
	00/00/0000	सूर्य	30/12/2010	चंद्र	18/06/2027	मंगल	29/01/2034	राहु	14/02/2044
	00/00/0000	चंद्र	30/08/2012	मंगल	24/10/2027	राहु	31/07/2035	गुरु	20/01/2045
	00/00/0000	मंगल	30/10/2013	राहु	17/09/2028	गुरु	29/11/2036	शनि	01/03/2046
	00/00/0000	राहु	30/10/2016	गुरु	06/07/2029	शनि	30/06/2038	बुध	26/02/2047
	00/00/0000	गुरु	01/07/2019	शनि	18/06/2030	बुध	30/11/2039	केतु	25/07/2047
	00/00/0000	शनि	30/08/2022	बुध	25/04/2031	केतु	30/06/2040	शुक्र	23/09/2048
	21/06/2006	बुध	30/06/2025	केतु	31/08/2031	शुक्र	01/03/2042	सूर्य	29/01/2049
बुध	30/08/2006	केतु	30/08/2026	शुक्र	30/08/2032	सूर्य	30/08/2042	चंद्र	30/08/2049

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
30/08/2049		31/08/2067		31/08/2083		31/08/2102		01/09/2119	
31/08/2067		31/08/2083		31/08/2102		01/09/2119		22/06/2126	
राहु	12/05/2052	गुरु	18/10/2069	शनि	02/09/2086	बुध	27/01/2105	केतु	28/01/2120
गुरु	06/10/2054	शनि	30/04/2072	बुध	12/05/2089	केतु	24/01/2106	शुक्र	29/03/2121
शनि	12/08/2057	बुध	06/08/2074	केतु	21/06/2090	शुक्र	24/11/2108	सूर्य	04/08/2121
बुध	29/02/2060	केतु	13/07/2075	शुक्र	21/08/2093	सूर्य	30/09/2109	चंद्र	05/03/2122
केतु	19/03/2061	शुक्र	13/03/2078	सूर्य	03/08/2094	चंद्र	02/03/2111	मंगल	01/08/2122
शुक्र	18/03/2064	सूर्य	30/12/2078	चंद्र	03/03/2096	मंगल	27/02/2112	राहु	19/08/2123
सूर्य	10/02/2065	चंद्र	30/04/2080	मंगल	12/04/2097	राहु	15/09/2114	गुरु	25/07/2124
चंद्र	12/08/2066	मंगल	06/04/2081	राहु	17/02/2100	गुरु	21/12/2116	शनि	03/09/2125
मंगल	31/08/2067	राहु	31/08/2083	गुरु	31/08/2102	शनि	01/09/2119	बुध	22/06/2126

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 2 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।